ग्लैमर वर्ल्ड की क्वीन विपाशा

07 जनवरी 1979 को दिल्ली में जन्मीं विपाशा बसु ने अपनी शुरुआती पढ़ाई कोलकाता से पूरी की है. उन्होंने अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत वर्ष 1996 में कोलकता से ही की थी. मॉडलिंग करियर के दौरान उनकी मुलाकात अर्जुन रामपाल की पत्नी और मॉडल मेहर जासिया से हुई. उन्होंने उन्हें गोदरेज सिंथोल सुपर मॉडल में भाग लेने को कहा, और बिपासा बसु इस इसकी विजेता भी बनी.

बॉलीवुड में विपाशा बसु ने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म अजनबी से की.इस फिल्म में विपाशा बसु के अपोजिट अक्षय कुमार थे.फिल्म में विपाशा का किरदार ग्रे शेड्स लिये हुये था.बावजूद इसके विपाशा ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को रोमांचित कर दिया.इस फिल्म के लिये विपाशा को फिल्म फेयर की ओर से डेब्यू पुरस्कार भी दिया गया .

वर्ष 2002 में विपाशा बसु को विक्रम भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म राज में काम करने का अवसर मिला.थ्रिलर से भरपूर राज भी दर्शको को बेहद पसंद आयी साथ हीं विपाशा अपने दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिये नामांकित की गयी.

वर्ष 2003 में प्रदर्शित फिल्म जिस्म विपाशा बसु के करियर की मत्वपूर्ण फिल्मों में शामिल है.इस फिल्म में विपाशा बसु ने एक बार फिर से नेगेटिव किरदार निभाया था.जिस्म में विपाशा बसु के अपोजिट जॉन अब्राहम थे.विपाशा और जॉन की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया.इस फिल्म की सफलता के बाद विपाशा और जॉन की जोड़ी ने कई फिल्मों में साथ काम कर दर्शकों का मनोरंजन किया.

विपाशा बसु ने अपने सिने करियर में अबतक लगभग 55 फिल्मों में काम किया है.हिंदी फिल्मों के अलावा विपाशा ने तमिल.तेलगु और बंगला फिल्मों में भी अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है.बिपाशा ने वर्ष 2016 में करण सिंह ग्रोवर के साथ शादी कर ली. विपाशा इन दिनों फिल्मों में सक्रिय नहीं है.

पुलकित ने फिल्म 'राहु केतु' में काम करने की बताई वजह

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने फिल्म 'राहु केतु' में काम करने की वजह बताई है. पुलकित सम्राट ने हाल ही में अपनी नई फिल्म 'राहु केतु' को हाँ कहने के पीछे की असली वजहों और अपने सफ़र में माँ की अहम भूमिका को लेकर खुलकर बात की. जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने यह प्रोजेक्ट सिर्फ़ वरुण और विपुल के साथ जुड़ाव के कारण साइन किया, तो पुलकित का जवाब कहीं ज़्यादा निजी और भावनात्मक था. एक पंक्ति में कहें तो यह उनके बचपन के सपनों, फैंटेसी फिल्मों के प्रति प्यार और परिवार के सहारे से जुड़ा हुआ था.

पुलकित सम्राट के लिए 'राहु केतु' सिर्फ़ एक फिल्म नहीं है, बल्कि इमोशन है. उनकी माने तो जैसे ही उन्होंने इसकी स्क्रिप्ट सुनी, फैंटेसी वाला एंगल उन्हें तुरंत भा गया. बचपन में देखी फैंटेसी फिल्मों को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'अजूबा' और 'छोटा चेतन' जैसी फिल्मों ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी है और ज़िंदगी में कुछ पल ऐसे होते हैं, जिन्हें लगता है जैसे आप पहले ही अपने बचपन में जी चुके हैं. उन फिल्मों के ज़रिए फैंटेसी के प्रति जगे इसी लगाव ने बहुत कम उम्र में मेरे अंदर फैंटेसी सिनेमा के प्रति खास आकर्षण पैदा कर दिया था.'

गौरतलब है कि फैंटेसी फिल्म का हिस्सा बनना पुलकित का लंबे समय से संजोया हुआ सपना रहा है. जब यह स्क्रिप्ट उनके पास आई, तो उन्हें लगा कि यही वह मौका है, जिसका उन्हें इंतज़ार था. फिल्ममेकर विपुल विग और को-स्टार वरुण के साथ एक बार फिर काम करने का अवसर पाकर उनका भरोसा और मज़बूत हो गया.

पुलकित ने अपनी माँ के अटूट विश्वास और समर्थन पर भी दिल से बात की. अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'जब पूरा परिवार मेरे मुंबई जाने के फैसले के ख़िलाफ़ था, तब मेरी माँ ही थीं जो मजबूती से मेरे साथ खड़ी रहीं. उन्होंने न सिर्फ़ मेरे सपनों का साथ दिया, बल्कि परिवार के बाकी लोगों के ख़िलाफ़ जाकर यह सुनिश्चित किया कि मैं अपने जुनून को पूरा कर सकूँ. उन्हें पूरा विश्वास था कि मैं मुंबई जाकर हीरो बनूँगा.' पुलकित ने इस नाज़ुक दौर में माँ के साहस और भरोसे को खुले दिल से स्वीकारा.

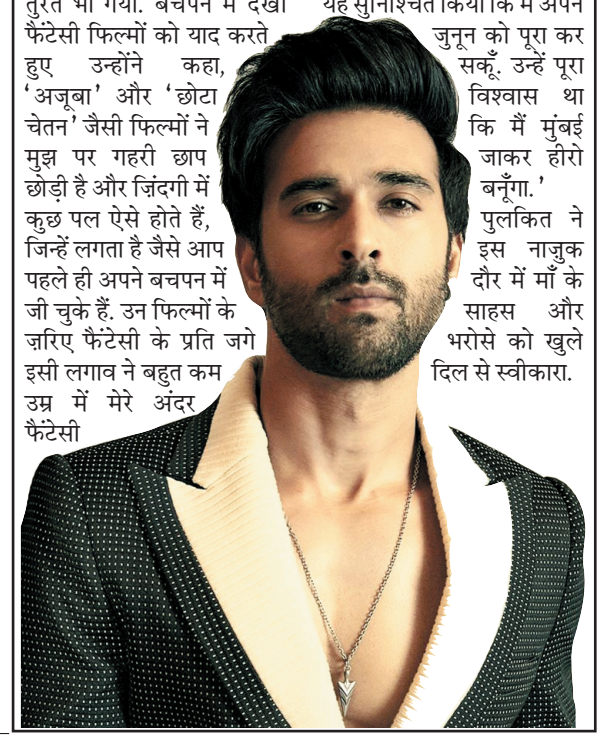

'लक्ष्मी निवास' को लेकर अक्षिता मुदगल ने जाहिर किए अपने जज्बात

जी टीवी का आने वाला फैमिली ड्रामा 'लक्ष्मी निवास' टेलीविजन पर एक ऐसी कहानी लेकर आ रहा है, जो दे श के मिडिल क्लास संयुक्त परिवारों की रोज़मर्रा की सच्चाइयों से गहराई से जुड़ी है. सपनों, जिम्मेदारियों और साथ निभाने की भावना के बीच बुना गया यह शो उन उम्मीदों को सामने रखता है, जो बड़ी खामोशी से कई घ रों की ज़िंदगी को दिशा देती हैं, खासकर अपना घर बनाने का सपना और बच्चों का भविष्य सुरक्षित देखने की चाह. कहानी लक्ष्मी और श्रीनिवास के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पिछले 35 सालों से किराए के मकान में रह रहे हैं और दिल में दो सपने संजोए हुए हैं - अपना खुद का घर और अपने बच्चों को खुशहाल ज़िंदगी में सेटल देखना. जैसे ही वे इन लंबे समय से देखे गए स पनों को पूरा करने की कोशिश शुरू करते हैं, ज़िंदगी उनके सामने कुछ ऐसे मोड़ ले आती है, जो रिश्तों, सब्र औ र परिवार के मायनों का असली इम्तेहान लेते हैं .इस भावनात्मक सफर में एक नई परत जोड़ते हुए 'लक्ष्मी निवास' में अक्षिता मुदगल राधिका के किरदार में नज़ र आएंगी, जो लक्ष्मी और श्रीनिवास की बड़ी बेटी हैं. राधिका एक सुलझी हुई, समझदार और परिवार को सब से ऊपर रखने वाली लड़की है, जो अपनी खुशी से पहले अपने माता- पिता की खुशी को अहमियत देती है. वो एक मजबूत और शांत स्वभाव की युवती है, जिसके सपने भी अपने प रिवार की इच्छाओं से जुड़े हैं, भले ही इसके लिए उसे अपनी चाहतों को कुछ वक्त के लिए पीछे रखना पड़े. उस का सफर उन खामोश त्यागों की कहानी कहता है, जो अक्सर बेटियां परिवार के लिए करती हैं.

खुलासे से बदले रिश्तों के मायने

टीवी सीरियल 'तुम से तुम तक' इन दिनों दर्शकों को लगातार चौंकाने में लगा हुआ है. प्यार, पछतावे और अधूरे सच के बीच फंसी अनु और आर्य की कहानी अब एक बेहद भावुक मोड़ पर पहुंचने वाली है. जहां एक ओर अनु अपने दिल के बोझ को हल्का करने के लिए राजनंदिनी से माफी मांगना चाहती है, वहीं दूसरी ओर आर्य उस सच्चाई को छुपाए बैठा है जो सब कुछ बदल सकती है. अनु का आर्य के घर पहुंचना सिर्फ एक मुलाकात नहीं, बल्कि कई दबे हुए जज्बातों को बाहर लाने वाला पल बनने वाला है. आर्य का बेचैन होना, उसका अनु को राजनंदिनी से मिलने से रोकना और गायत्री का बीच में आना—ये सब मिलकर कहानी को और भी दिलचस्प बना रहे हैं. दर्शक लंबे समय से जिस सच के सामने आने का इंतजार कर रहे थे, अब वो पल बेहद करीब है. क्या अनु को अपनी गलती का एहसास होगा? क्या आर्य अपने दिल की बात कह पाएगा? और सबसे बड़ा सवाल—क्या गायत्री की सच्चाई दोनों को फिर से करीब ला पाएगी? आने वाले एपिसोड में भावनाओं का ऐसा तूफान उठेगा, जो रिश्तों की दिशा हमेशा के लिए बदल देगा.

सैयामी-गुलशन नए प्रोजेक्ट में फिर साथ

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर अपने 8 ए.एम. मेट्रो के सह-कलाकार गुलशन देवैया के साथ एक नए प्रोजेक्ट में फिर से नज़र आने वाली हैं. 8 ए.एम. मेट्रो में सैयामी और गुलशन दोनों की सादगी भरी केमिस्ट्री और भावनात्मक गहराई को दर्शकों ने को फिर से 8 ए.एम. मेट्रो की याद दिला दी है. सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों के सामने आने के बाद फैन्स कयास लगाने लगे हैं कि दोनों कलाकारों का एक और खूबसूरत और भावनात्मक प्रोजेक्ट जल्द आने वाला है.

खूब पसंद किया था, और अब दोनों की हालिया तस्वीरों ने एक बार फिर सबका ध्यान खींच लिया है. सूत्रों के अनुसार, सैयामी और गुलशन ने हाल ही में साथ में शूटिंग की है. दोनों की सहज और आरामदायक बॉन्डिंग ने दर्शकों हाल ही में साथ काम किया है और उनकी केमिस्ट्री आज भी उतनी ही असरदार और सच्ची है. फिलहाल प्रोजेक्ट से जुड़ी ज़्यादा जानकारी साझा नहीं की जा रही है, लेकिन यह वाकई एक खास प्रोजेक्ट है जो दोनों को एक बार फिर साथ

इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, 'सैयामी और गुलशन के बीच ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों ही जगह बहुत स्वाभाविक समझ है. उन्होंने लाएगा. 'सैयामी खेर और गुलशन देवैया पहले भी कई बार साथ काम कर चुके हैं, और यह आने वाला प्रोजेक्ट दोनों का तीसरा सहयोग होगा.

'वध 2' का दमदार नया पोस्टर रिलीज

लव फिल्म्स ने फिल्म 'वध 2' का दमदार नया पोस्टर रिलीज कर दिया है. छह फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली यह फिल्म एक मजबूत और अपने साथ बांधे रखने वाली कहानी का वादा करती है, जो सोच, नैतिकता और सच की नाज़ुक परतों को गहराई से छूती है.

नए पोस्टर में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक शांत और सोच में डूबे हुए पल में नजर आ रहे हैं. उनकी गंभीर और ठहरी हुई मौजूदगी इशारा करती है कि कहानी कई नजरियों से बनी है, जहां सच एक जैसा नहीं बल्कि परतों में छिपा है. यह पोस्टर दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि नजरिया, इरादा और विश्वास कैसे बदलते हैं.

07 जनवरी 1957 को जन्मीं रीना रॉय को सर्वप्रथम बी.आर.इशारा की फिल्म नई दुनिया नए लोग में काम करने का प्रस्ताव मिला. इस फिल्म में रीना रॉय के अपोजिट डैनी थे लेकिन कुछ कारणो से यह फिल्म रुक गई. बाद में यह फिल्म वर्ष 1973 में प्रदर्शित हुई लेकिन सफल नहीं रही. बी.आर. इशारा ने एक बार फिर से रीना रॉय और डैनी को अपनी फिल्म जरूरत में काम करने का अवसर दिया.

69 वर्ष की हुईं रीना रॉय

वर्ष 1972 में प्रदर्शित फिल्म जरूरत यूं तो टिकट खिड़की पर कोई खास करिश्मा नहीं दिखा सकी लेकिन रीना रॉय फिल्म इंडस्ट्री में जरूरत गर्ल के नाम से मशहूर हो गई. वर्ष 1973 में रीना रॉय को जीतेन्द्र के साथ फिल्म जैसे को तैसा में काम करने का अवसर मिला, जो उनके करियर की पहली सुपरहिट फिल्म साबित हुई.वर्ष 1976 रीना रॉय के करियर के लिये अहम वर्ष साबित हुआ. इस वर्ष उनकी नागिन और कालीचरण जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुई. राजकुमार कोहली के निर्देशन में बनी फिल्म नागिन में रीना रॉय ने इच्छाधारी नागिन की दमदार भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया. इस फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये रीना रॉय सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए भी नामांकित की गई.

'शरारत' गाने पर विवाद के बीच क्रिस्टल डिसूजा का करारा जवाब

फिल्म 'धुरंधर' के लेटेस्ट डांस नंबर 'शरारत' को लेकर सोशल मीडिया पर जारी विवाद के बीच अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है. इन चर्चाओं पर कि अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इस गाने के लिए पहली पसंद थीं और उन्हें बाद में रिप्लेस किया गया, क्रिस्टल ने गरिमापूर्ण जवाब दिया है. उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि अगर तमन्ना इस गाने का हिस्सा होतीं, तो वह निश्चित रूप से इसे अपने अंदाज में शानदार बनातीं. क्रिस्टल ने साफ किया कि कभी-कभी नियति जो तय करती है वही होता है, और किसी भी कलाकार की काबिलियत को कम आंकना या तुलना करना सही नहीं है.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

अब इंस्टाग्राम पर पूरी दिखेंगी तस्वीरें

इंस्टाग्राम ने अपने उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक अहम बदलाव किया है. अब इंस्टाग्राम पर तीन अनुपात चार (3:4) आस्पेक्ट रेशियो वाली तस्वीरों को पूरा-पूरा दिखाने का समर्थन जोड़ दिया गया है.

इस नए अपडेट के बाद उपयोगकर्ताओं को अपनी तस्वीरें डालते समय उन्हें काटने या एडजस्ट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी. दरअसल, ज्यादातर स्मार्टफोन कैमरे तस्वीरें तीन अनुपात चार के अनुपात में ही लेते हैं. लेकिन अब तक इंस्टाग्राम पर तस्वीर डालते समय यह अनुपात पूरी तरह सपोर्ट नहीं होता था. उपयोगकर्ताओं को या तो फोटो को काटना पड़ता था या फिर उसे जबरन फिट करना पड़ता था, जिससे तस्वीर की असली सुंदरता खराब हो जाती थी. नए बदलाव के साथ यह समस्या खत्म हो गई है. इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने इस अपडेट की जानकारी थ्रेड्स मंच के जरिए दी.

उन्होंने बताया कि अब तीन अनुपात चार में ली गई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वैसी ही दिखाई देंगी, जैसी कैमरे से ली गई थीं. यह सुविधा एकल तस्वीर पोस्ट और एक साथ कई तस्वीरों वाली पोस्ट—दोनों में काम करेगी. इससे खासकर कंटेंट बनाने वाले लोगों को अपनी रचनात्मकता दिखाने की ज्यादा आज़ादी मिलेगी.

ब्रह्मांड अकेला नहीं, आईना जैसे ब्रह्मांड भी मौजूद है

वैज्ञानिकों की दुनिया में इन दिनों एक अनोखी और चौंकाने वाली थ्योरी फिर चर्चा में है. सवाल यह है कि क्या हमारा ब्रह्मांड अकेला है, या फिर इसके साथ एक और 'आईने जैसा ब्रह्मांड' भी मौजूद है? इस विचार को मिरर यूनिवर्स यानी आईना ब्रह्मांड सिद्धांत कहा जा रहा है. इस थ्योरी के अनुसार, जब बिग बैंग हुआ, तो उसी क्षण दो ब्रह्मांड पैदा हुए. एक हमारा ब्रह्मांड, जिसमें हम रहते हैं, और दूसरा उसका बिल्कुल उल्टा प्रतिबिंब - जिसे वैज्ञानिक एंटी-ब्रह्मांड कहते हैं. दोनों के बीच बिग बैंग एक केंद्र बिंदु की तरह है.

इस सिद्धांत की नींव सीपीटी सिमेट्री नाम के भौतिकी के एक महत्वपूर्ण नियम पर टिकी है. सीपीटी सिमेट्री का मतलब है -

- सी (चार्ज) यानी आवेश बदलना,
- पी (पैरिटी) यानी दायाँ-बायाँ उलटना,
- और टी (टाइम) यानी समय की दिशा पलटना.

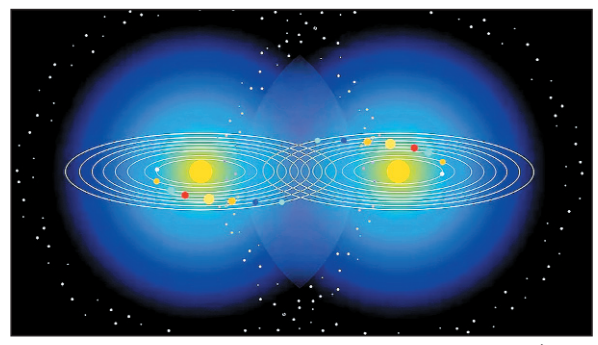

भौतिकी के नियम कहते हैं कि अगर ये तीनों बदलाव एक साथ किए जाएँ, तो भी प्रकृति के नियम वही रहने चाहिए. लेकिन हमारे ब्रह्मांड में समय सिर्फ आगे की ओर चलता है और यहाँ पदार्थ (मैटर) बहुत ज्यादा है, जबकि विपरीत पदार्थ (एंटीमैटर) बहुत कम. इससे ऐसा लगता है कि सीपीटी सिमेट्री पूरी नहीं हो रही. यहीं पर मिरर यूनिवर्स का विचार सामने आता है. वैज्ञानिकों का कहना है कि हमारे ब्रह्मांड के ठीक उल्टा एक और ब्रह्मांड है, जहाँ समय पीछे की ओर चलता है और एंटीमैटर ज्यादा है. दोनों ब्रह्मांड मिलकर सीपीटी सिमेट्री को पूरा करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे आईने में दिखने वाला प्रतिबिंब असली तस्वीर को संतुलन देता है. यह सिद्धांत इसलिए भी खास है क्योंकि यह ब्रह्मांड की कुछ बड़ी पहेलियों का जवाब देने की कोशिश करता है. जैसे - मैटर और एंटीमैटर का असंतुलन, और डार्क मैटर यानी अदृश्य पदार्थ की मौजूदगी. वैज्ञानिकों का मानना है कि कुछ भारी न्यूट्रिनो कण डार्क मैटर हो सकते हैं.

हालाँकि, अभी तक इस थ्योरी का कोई सीधा प्रमाण नहीं मिला है. कई वैज्ञानिक इसे सिर्फ एक सुंदर गणितीय कहानी मानते हैं. फिर भी, यूरोप की बड़ी प्रयोगशालाओं में न्यूट्रिनो पर हो रहे प्रयोग भविष्य में इस रहस्य से पर्दा उठा सकते हैं. अगर यह सिद्धांत सही साबित होता है, तो हमारी ब्रह्मांड की समझ पूरी तरह बदल सकती है. तब हमें पता चलेगा कि हम अकेले नहीं हैं, बल्कि एक विशाल ब्रह्मांडीय आईने का हिस्सा हैं.

आंखें कैमरा हैं, दिमाग निर्देशक

हम जिस दुनिया को सीधा, संतुलित और व्यवस्थित देखते हैं, असल में वह हमारी आंखों की देन नहीं है, बल्कि हमारे दिमाग की अद्भुत समझ का नतीजा है. यह जानकर हैरानी होती है कि हमारी आंखें दुनिया की जो तस्वीर बनाती हैं, वह पूरी तरह उल्टी होती है. ऊपर की चीज नीचे और नीचे की चीज ऊपर दिखाई देती है. फिर भी हमें सब कुछ सीधा नजर आता है. आखिर ऐसा कैसे होता है?

जब किसी वस्तु, जैसे पेड़ या इमारत, से रोशनी निकलती है तो उसकी किरणें हमारी आंख में प्रवेश करती हैं. सबसे पहले ये किरणें आंख की आगे की पारदर्शी परत कॉर्निया से गुजरती हैं. इसके बाद वे आंख के बीच मौजूद काले हिस्से प्यूपिल से होकर आंख के प्राकृतिक लेंस तक पहुंचती हैं.

यह लेंस एक उत्तल लेंस की तरह काम करता है. उत्तल लेंस की खासियत होती है कि वह रोशनी की किरणों को मोड़कर आपस में क्रॉस करा देता है. इसका नतीजा यह होता है कि ऊपर से आने वाली किरणें नीचे की ओर चली जाती हैं और नीचे से आने वाली किरणें ऊपर पहुंच जाती हैं. इसी कारण आंख की पिछली परत, जिसे रेटिना कहते हैं, उस पर बनने वाली तस्वीर उल्टी होती है. रेटिना पर मौजूद लाखों प्रकाश-संवेदी कोशिकाएं इस उल्टी तस्वीर को सीधे नहीं देखतीं, बल्कि उसे विद्युतीय संकेतों में बदल देती हैं. ये संकेत दृष्टि तंत्रिका के जरिए दिमाग तक पहुंचते हैं.

अब असली कमाल दिमाग करता है. दिमाग के पास कोई तस्वीर नहीं होती, सिर्फ संकेतों का एक पैटर्न होता है. वह जन्म से ही सीखता है कि रेटिना के नीचे पड़ने वाला संकेत ऊपर की वस्तु से जुड़ा है. यह सीखने की प्रक्रिया शरीर की दूसरी इंद्रियों, जैसे स्पर्श और गुरुत्वाकर्षण की दिशा, से मदद लेकर पूरी होती है. इसी कारण हमें दुनिया हमेशा सीधी दिखाई देती है.

आंखों का यह डिजाइन प्रकाशिकी के प्राकृतिक नियमों पर आधारित है. कैमरे और छिद्र कैमरे में भी तस्वीर उल्टी बनती है. विकास की प्रक्रिया में यही व्यवस्था सबसे कारगर साबित हुई. अगली बार जब आप दुनिया को देखें, तो याद रखें—आपकी आंखें आपको उल्टी तस्वीर देती हैं, लेकिन आपका दिमाग उसे चुपचाप और खूबसूरती से सीधा कर देता है. यही विज्ञान का असली जादू है.

रियलमी पैड 3 भारत में लॉन्च, दमदार बैटरी और डिस्प्ले से लैस

स्मार्ट उपकरण बनाने वाली कंपनी रियलमी ने भारत में अपना नया टैबलेट रियलमी पैड 3 लॉन्च कर दिया है. यह टैबलेट खास तौर पर उन लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो पढ़ाई, मनोरंजन और काम के लिए एक शक्तिशाली लेकिन पतला उपकरण चाहते हैं. बड़ी बैटरी, तेज प्रोसेसर और शानदार स्क्रीन इसके मुख्य आकर्षण हैं. रियलमी पैड 3 को भारत में दो रंगों—शैंपेन गोल्ड और स्पेस ग्रे—में उतारा गया है. यह टैबलेट एंड्रॉयड 16 आधारित रियलमी यूआई 7.0 पर चलता है, जो इसे नया और स्मूद अनुभव देता है.

इस टैबलेट में 11.61 इंच की बड़ी स्क्रीन दी गई है, जिसका रिजॉल्यूशन 2.8

के है. इसका मतलब है कि तस्वीरें और वीडियो बेहद साफ और शार्प दिखते हैं. स्क्रीन का रिफ्रेश रेट 120 हर्ट्ज़ है, जिससे स्क्रॉलिंग और गेमिंग काफी स्मूद हो जाती है. कंपनी का दावा है कि इसकी ब्राइटनेस 500 निट्स तक जाती है और रंग भी काफी जीवंत नजर आते हैं. परफॉर्मेंस की बात करें तो रियलमी पैड 3 में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300-मैक्स प्रोसेसर दिया गया है. यह एक आधुनिक चार नैनोमीटर तकनीक पर बना ऑक्टा-कोर प्रोसेसर है, जो तेज काम करने के साथ-साथ बैटरी की बचत भी करता है. टैबलेट में 8 जीबी रैम दी गई है और स्टोरेज के लिए 128 जीबी और 256 जीबी के विकल्प मिलते हैं. जरूरत पड़ने पर माइक्रो एसडी कार्ड के जरिए स्टोरेज को दो टीबी तक बढ़ाया जा सकता है.

फोटोग्राफी के लिए टैबलेट में पीछे और आगे दोनों तरफ 8 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है, जो वीडियो कॉल और सामान्य फोटो के लिए पर्याप्त है. आवाज के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए इसमें डॉल्बी ऑडियो सपोर्ट के साथ चार स्पीकर लगाए गए हैं. रियलमी पैड 3 की सबसे बड़ी खासियत इसकी 12,200 एमपी की बैटरी है. यह बैटरी लंबे समय तक चलती है और 45 वाट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है.

कीमत की बात करें तो वाई-फाई मॉडल की कीमत 26,999 रुपये रखी गई है, जबकि फाइव-जी वेरिएंट की कीमत 29,999 रुपये से शुरू होती है. टैबलेट की बिक्री 16 जनवरी से शुरू होगी और लॉन्च ऑफर में बैंक छूट भी दी जा रही है. कुल मिलाकर, रियलमी पैड 3 एक ऐसा टैबलेट है जो कीमत और फीचर्स के संतुलन के साथ बाजार में मजबूत दावेदारी पेश करता है.